इंडिया वार्ता

हिन्दी दैनिक

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

स्वास्थ्य विभाग को मिले 220 नए .. 8

वर्ष : 14 अंक : 279 | देहरादून, गुरूवार 06 जून 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सीएम ने किया सम्मानित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। सुन्दर लाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार-2025 (सरकारी श्रेणी) में नगर निगम रूद्रपुर को सम्मानित किया गया। नगर निगम रुद्रपुर से उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। सुन्दर लाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार-2025 (गैर सरकारी श्रेणी) में विजय जड़धारी एवं प्रताप सिंह पोखरियाल को सम्मानित किया गया। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जागरूकता पोस्टर का विमोचन एवं इको टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किए गए पोर्टल का भी मुख्यमंत्री ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्लास्टिक मुक्त उत्तराखण्ड की शपथ दिलाई एवं स्कूली बच्चों को कपड़े के बैग प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने वन विभाग को इस वर्ष प्रदेश के प्रत्येक वन डिवीजन में कम से कम एक हजार फलदार वृक्ष लगाए जाने के निर्देश दिए। जिससे जंगली जीव-जंतुओं के लिए पर्याप्त आहार मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और यात्रियों से आग्रह किया कि जीव-जंतुओं को ऐसी वस्तुएँ न खिलाएँ जो उनकी सेहत के लिए हानिकारक हों। उन्होंने आह्वान किया कि जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करें। ऐसे प्रयासों के संकल्प से ही हम पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे पाएंगे। मुख्यमंत्री ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से परिपूर्ण राज्य है। घने जंगल, पवित्र नदियाँ, हिमालयी ग्लेशियर हमारे राज्य की भौगोलिक पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारत अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में विश्व स्तर पर आगे बढ़ रहा है। सोलर मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे अभियान और प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसी योजनाएं पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार, लोकपर्व हरेला को प्रकृति संरक्षण के महापर्व के रूप में बृहद स्तर पर मनाती है। प्रदेश के नौले, धारे एवं वर्षा आधारित

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

उत्तराखण्ड में कोरोना संक्रमितों की संख्या 22 पहुंची

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। गुरूवार को देहरादून के ऋषिकेश में एक और मरीज कोरोना संक्रमित पाया गया है। जिसके बाद देहरादून जनपद में कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 22 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक गुरूवार और बीते रोज पाए गए सभी संक्रमितों की हालत फिलहाल सामान्य है। देहरादून के सीएमओ डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा के मुताबिक बुधवार को चार मरीज देहरादून के जबकि एक हरिद्वार का कोरोना संक्रमित मिला है। उन्होंने बताया कि हाथीबड़कला क्षेत्र के रहने वाले 47 वर्षीय व्यक्ति हाल ही में चार धाम यात्रा से लौटे। यात्रा से लौटने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी। उन्होंने जब निजी लैब में कोरोना जांच कराई तो रिपोर्ट पॉजीटिव आई। इसके अलावा रायपुर के दो पुरुष 50 और 55 वर्षीय और सैलाकुई की 48 वर्षीय महिला की रिपोर्ट भी पॉजीटिव आई है। हरिद्वार के भी 59 वर्षीय बुजुर्ग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों का कहना है कि यदि खांसी , जुखाम बुखार जैसे लक्षण दिख रहे हो तो तुरंत नजदीक अस्पताल में जाकर इलाज कराएं, हालांकि इससे घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन संक्रमण से बचने के लिए सावधानी बरतें। इधर स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरूवार को जारी की गई कोरोना रिपोर्ट के अनुसार कुल 27 कोरोना के संदिग्ध मरीजों की आरटीपीसीआर जांच की गई। जांच में ऋषिकेश से एक व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया जो माइग्रेटेड है। इस महीने अभी तक 195 मरीजों की कोरोना जांच की जा चुकी है। वर्तमान में तीन कोरोना के एक्टिव केस हैं।

सीएम धामी ने किया मुख्यमंत्री आवास में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया । इस अवसर पर उन्होंने सीता अशोक का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की जनता से भी आह्वान किया कि वे इस पावन कार्य में सहभागी बनें और अपनी मां के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रकृति की सेवा करें। यह अभियान मातृ सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के नाम पर एक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री सुबोध उनियाल और मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भी पौधारोपण किया।

मुख्यमंत्री ने किया फिल्म ''गौदान की पुकार'' की शूटिंग का शुभारम्भ

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को धारकोट देहरादून में ''गौदान की पुकार'' फिल्म के मुहूर्त शॉट को क्लैप किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरक्षा एवं गौकल्याण पर आधारित यह फिल्म गौसेवा के लिये प्रेरणा प्रदान करने में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रमुख केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। इस अवसर पर फिल्म के निर्माता विनोद कुमार चैधरी, मनोज जोशी एवं उपासना सिंह समेत अन्य कलाकार उपस्थित थे।

सम्पादकीय

इतना बड़ा अंतर

भारत जैसे धार्मिक परम्पराओं वाले देश में यह प्रश्न और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यहाँ स्थितियाँ पश्चिम से पूरी तरह भिन्न हैं। उन्नीसवीं शताब्दी में जब मार्क्स ने द्वंदात्मक भौतिकवाद का दर्शन प्रस्तुत किया था, तब इसे 'दरिद्रता का दर्शन' कहा गया, हालांकि मार्क्स ने अपने विरोधियों को इसका जवाब 'दर्शन की दरिद्रता' के शीर्षक से एक लेख लिखकर दिया था। भारत में सत्ता, सत्ता पोषकों, समर्थकों तथा शासितों के बीच हमेशा इतना बड़ा अंतर रहा है कि शासित की कल्पना भी स्वामी से तुलना करने का साहस नहीं कर पाती। आमतौर पर एक भारतीय स्वयं को 'आम' और सत्ताधीशों, सत्ता चरण वंदकों को दूसरे लोक का मानकर चलता है। जैसे वे अतुलनीय हैं, वे जन्म से शासन करने के लिए अवतरित हुए हैं। वो अपनी तुलना गांधी, नेहरू यहाँ तक कि टाटा या अंबानी से या फिर आज के अवतार कहे जाने वाले मोदी से भी नहीं कर सकता। कभी सम्पन्न, वो अपने दुखों को भूल जाता है और सारी ऊर्जा पड़ोसी के सुखों को समाप्त करने या फिर कम करने में लगा देता है। सत्ता वर्ग प्रसन्न होकर कहीं ऊपर बैठा इन मनुष्यों से कुछ कम जीवों के इस व्यवहार को देखकर मंद-मंद मुस्कराता है। क्योंकि उसके लिए यह वर्ग-उसके बड़े खेल का मात्र एक छोटा सा हिस्सा है। वह स्वयं को अन्तर्राष्ट्रीय मानकर चलता है, स्थानीय मुद्दे उसे गौण और साधारण लगते हैं। बीसवीं शताब्दी के महान अर्थशास्त्री पॉल एम स्वीजी ने उसे परावलंबी विकास कहा था। उनका मानना था कि "बहुराष्ट्रीय कंपनियों की छत्रछाया में परावलंबी विकास का एक प्रमुख पहलू है कि स्थानीय पूंजीपतियों का एक हिस्सा वास्तव में अन्तर्राष्ट्रीय हो जाता है और विदेशी स्वार्थों में ही अपना स्वार्थ देखता है जबकि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के अधिशेष उत्पादन का बड़ा हिस्सा वापस भेजे गए मुनाफे, विदेशी कर्ज, सेवा, विदेशी तकनीक के लिए रॉयल्टी भुगतान, आयात-निर्यात के गलत चालान तैयार करने और अपने देश में अपने भविष्य के प्रति खौफजदा स्थानीय अमीरों द्वारा स्विस बैंक खातों में ज्यादा से ज्यादा धन जमा करने के रूप में इन देशों से निचोड़ लिया जाता है।"

हरित भविष्य को सशक्त बनाना: मोदी सरकार के 11 वर्षों ने भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को कैसे बदल दिया

- श्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने न केवल अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, बल्कि हमने दृढ़ संकल्प, नवाचार और बेजोड़ प्रदर्शन के साथ उन्हें हासिल भी किया है।

सौर ऊर्जा में तीसरे, पवन ऊर्जा में चौथे और कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान के साथ, आज भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में से एक है। 232 गीगावाट से अधिक स्थापित और 176 गीगावाट निर्माणाधीन नवीकरणीय क्षमता होने के साथ, हम न केवल अपनी ऊर्जा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं, बल्कि ऊर्जा में बदलाव से जुड़ी वैश्विक चर्चा को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह प्रगति संयोग नहीं है, बल्कि यह पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार किए गए साहसिक सुधारों, समयबद्ध फैसलों और स्पष्ट दीर्घकालिक दृष्टिकोण का परिणाम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास एक मजबूत नवीकरणीय ऊर्जा इकोसिस्टम बनाने का एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा को वैश्विक प्राथमिकता बनने से बहुत पहले बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं का बीड़ा उठाया था। 2014 में पदभार संभालने के बाद, उन्होंने उस विजन को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। नतीजतन, आज भारत सौर, पवन और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े नवाचार में एक वैश्विक लीडर के रूप में खड़ा है। पिछले वर्ष में ही, हमने राष्ट्रीय ग्रिड में रिकॉर्ड 29 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के सिर्फ 2.63 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 108 गीगावाट से अधिक हो गई है, जो 41 गुना की आश्चर्यजनक वृद्धि है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 51 गीगावाट को पार कर गई है। देश भर में फैली इन परियोजनाओं को अब एकीकृत पारेषण प्रणाली के माध्यम से एक साथ जोड़ा जा रहा है, जिससे एक राष्ट्र एक ग्रिड (वन नेशन वन ग्रिड) का सपना साकार होगा, जहां प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो, विश्वसनीय बिजली प्राप्त कर सकेगा। लेकिन इस बदलाव के स्तर को समझने के लिए हमें यह याद रखना होगा कि हमने शुरुआत कहां से की थी। वर्ष 2014 में भारत का बिजली क्षेत्र गहरे संकट से जूझ रहा था। बिजली की कमी लगातार बनी हुई थी। 2012 में डबल ग्रिड फेलियर हुआ, जिसने सबसे पहले उत्तरी क्षेत्र को 36,000 मेगावाट लोड की हानि के साथ प्रभावित किया और बाद में उत्तरी, पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी ग्रिडों के ध्वस्त होने का कारण बना, जिससे 48,000 मेगावाट का असर पड़ा। ये घटनाएं आज भी हमारी यादों में ताजा है। पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर पर अत्यधिक बोझ था और निवेशकों का भरोसा कम था। नवीकरणीय ऊर्जा को महंगा और अविश्वसनीय माना जाता था। वैश्विक समुदाय ने भारत को एक गंभीर स्वच्छ ऊर्जा खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा। वहीं, देश के भीतर, जनता की अपेक्षाएं मामूली थीं। नीतिगत अनिर्णायकता की स्थिति के चलते भी भारत को %नाजुक पांच% अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में गिना जाता था। वह परिदृश्य निर्णायक रूप से बदल गया है। भारत ऊर्जा की कमी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ गया है। पिछड़ने की स्थिति से उबरते हुए, अब हम मिसाल के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। यहां, मैं मोदी सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए गए 11 परिवर्तनकारी सुधारों पर प्रकाश डालता हूं, जिनमें से प्रत्येक आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सबसे पहले, फीड-इन टैरिफ से पारदर्शी, बाजार-संचालित बोली प्रक्रिया में बदलाव ने एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। प्रतिस्पर्धी बोली और टैरिफ युक्तिकरण के कारण सौर टैरिफ 2010 में ?10.95 प्रति यूनिट से गिरकर 2021 तक आश्चर्यजनक रूप से ?1.99 प्रति यूनिट रह गया, जिसने भारत को सौर ऊर्जा में मूल्य के मामले में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया। इस सुधारों ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया और जीवाश्म ईंधन के साथ मूल्य के मामले में समानता स्थापित की है। दूसरा, अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्कों की छूट एक और प्रमुख कदम रहा है। इन शुल्कों को हटाकर, सरकार ने परियोजना डेवलपर्स के लिए प्रमुख बाधाओं में से एक को समाप्त कर दिया। अपतटीय पवन के लिए 2032 तक और हरित हाइड्रोजन के लिए 2030 तक विस्तारित, इस नीति ने भौगोलिक सीमाओं से नवीनीकरणीय ऊर्जा परिनियोजन को प्रभावी रूप से मुक्त कर दिया और पूरे भारत में ऊर्जा प्रवाह को प्रोत्साहित किया। तीसरा, आयात पर निर्भरता कम करने और रोजगार सृजन के लिए सरकार ने 24,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन के साथ सौर विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की। इससे घरेलू विनिर्माण में उछाल आया है, जो 2014 की 2.3 गीगावाट से बढ़कर मॉड्यूल में 88 गीगावाट और 2025 तक सेल क्षमता में 0 से 25 गीगावाट हो गया है। भारत अब केवल सौर ऊर्जा का उपयोग ही नहीं कर रहा है, बल्कि इसे बना भी रहा है। इससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होती है और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ती है। चौथा, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए, सरकार ने मॉडल और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलएमएम), घटकों और विनिर्माताओं की स्वीकृत सूची (एएलसीएम) के साथ-साथ घरेलू सामग्री आवश्यकताओं (डीसीआर) को लागू किया, जिससे गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला की संपूर्णता सुनिश्चित हुई और आयातित सौर घटकों पर निर्भरता कम हुई। इन उपायों ने भारतीय निर्माताओं के लिए एक समान अवसर तैयार किए हैं, जिससे एक लचीले और प्रतिस्पर्धी सौर इकोसिस्टम का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पांचवां, प्रधानमंत्री के विजन के तहत, पीएम-सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना एक परिवर्तनकारी पहल बन गई है, जिसका लक्ष्य 30 गीगावॉट की विकेंद्रीकृत क्षमता तैयार करने के लिए एक करोड़ घरों में छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करना है। लगभग 13.75 लाख घरों को पहले ही इससे जोड़ा जा चुका है, जिससे जमीनी स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच में बदलाव आ रहा है। इसी तरह, पीएम-कुसुम योजना किसानों को विकेंद्रीकृत सौर प्रणाली लगाने में सक्षम बनाकर कृषि को सौर ऊर्जा से लैस कर रही है। 11 लाख से अधिक पंपों को सौर ऊर्जा से युक्त किया गया है, जिससे भारत का ये सबसे अधिक ऊर्जा-गहन क्षेत्र जलवायु सहयोगी में बदल गया है। सातवां, भारत अब स्वच्छ ऊर्जा के मामले में दुनिया का अनुसरण नहीं कर रहा है, बल्कि दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। 2014 में एफडीआई के मामूली प्रवाह से, भारत ने अप्रैल 2020 से सितंबर 2024 के दौरान आरई क्षेत्र में 19.98 बिलियन का एफडीआई आकर्षित किया, जो आज भारत में एफडीआई आकर्षित करने वाले शीर्ष क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रहा है। इससे देश के वैश्विक स्तर पर बढ़ते कद और आर्थिक क्षमता का पता चलता है। इस यात्रा में एक अन्य प्रमुख उत्प्रेरक लगभग 20,000 करोड़ के निवेश समर्थन वाला राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन है, जिसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ ईंधन के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है। आठवां, पारेषण इंफ्रास्ट्रक्चर इस बदलाव की रीढ़ बना हुआ है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर और 2030 ट्रांसमिशन (पारेषण) रोडमैप में भारत का निवेश सुनिश्चित करता है कि अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं ग्रिड से कुशलतापूर्वक और विश्वसनीय तरीके से जुड़ सकें। यह पहल कटौती के जोखिम को कम करती है और ग्रिड स्थिरता को बढ़ाती है। नौवां, सरकार भारत के समुद्र तट की विशाल क्षमता का भी दोहन कर रही है। 2030 तक 37 गीगावॉट की निविदाओं की योजना के साथ अपतटीय पवन (ऑफशोर विंड) पहल को व्यवहार्यता अंतर निधि और मजबूत साइट सर्वेक्षणों द्वारा समर्थित किया जा रहा है। गुजरात और तमिलनाडु में पायलट परियोजनाएं पहले से ही भारत के अगले अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की नींव रख रही हैं। दसवीं बात, बिजली आपूर्ति में रुकावट की चुनौती को पहचानते हुए भारत ने हाइब्रिड और चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने की नीति के साथ निर्णायक कदम उठाया है। पवन-सौर हाइब्रिड और ठोस एवं प्रेषण योग्य अक्षय ऊर्जा (एफडीआरई) को बढ़ावा देकर भारत चौबीसों घंटे स्वच्छ ऊर्जा समाधान तैयार कर रहा है। पाइपलाइन में 65 गीगावाट से अधिक क्षमता के साथ, यह ग्रिड की विश्वसनीयता और जीवाश्म-आधारित बेसलोड बिजली के विकल्प के लिए महत्वपूर्ण है। ग्यारहवीं बात, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में हम उन घरों तक पहुंच रहे हैं, जहां पहले कभी बिजली नहीं थी। विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के लिए विशेष सौर कार्यक्रमों और पीएम जनमन मिशन और सीपीएसयू योजना चरण-द्वद्व के तहत हजारों घरों में बिजली पहुंचाई गई है। ये सिर्फ ऊर्जा कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये सशक्तिकरण और समावेशी विकास के साधन हैं।

वैश्विक मान्यता और घरेलू संकल्प

भारत सिर्फ अपने देश में ही प्रगति नहीं कर रहा है, बल्कि हम वैश्विक स्तर पर भी नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (इंटरनेशनल सोलर अलायंस) ने 100 से ज्यादा देशों को एक साथ ला खड़ा किया है। 'एक सूर्य एक दुनिया एक ग्रिड' का विजन दुनिया को दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा किस तरह से देशों को एकजुट कर सकती है। यह भारत में मुख्यालय वाला पहला अंतरराष्ट्रीय और अंतर-सरकारी संगठन भी है। दुनिया भारत को देख रही है। साथ ही दुनिया भारत से सीख रही है। री-इन्वेस्ट 2024 में दुनिया भर के निवेशकों ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिए 2030 तक 32.45 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का संकल्प लिया। अक्षय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रमुख बैंकों के शीर्ष अधिकारियों ने वित्तीय सहायता को मजबूती देने और इस क्षेत्र में निवेश में तेजी लाने के लिए भाग लिया। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने और राज्यों के बीच प्रदर्शन और नवाचार के लिए प्रतिस्पर्धी माहौल को प्रोत्साहन देने के लिए, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्रियों के साथ नियमित बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं।

हाल ही में 24 मई 2025 को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ विस्तृत चर्चा की। सूर्यमित्र, वायुमित्र और जल ऊर्जामित्र जैसी पहलों को भविष्य के लिए तैयार हरित कार्यबल को आकार देने के उद्देश्य से प्रमुख कौशल कार्यक्रमों के रूप में पेश किया गया।

आगे की राह- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली क्षमता का लक्ष्य रखा है। अब तक, हम 228 गीगावाट के आंकड़े को छू चुके हैं। 176 गीगावाट निर्माणाधीन है। और 72 गीगावाट बोली के चरण में है। हम न केवल सही रास्ते पर हैं, बल्कि हम उम्मीद से बेहतर हैं। इससे न केवल हम अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे, बल्कि हमारी बिजली की मांग को भी समर्थन मिलेगा, जो 2032 तक दोगुनी होने की उम्मीद है। साथ ही, हम 2047 तक 1,800 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता हासिल करने के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। साथ में, ये उपलब्धियां स्वच्छ और समावेशी विकास द्वारा संचालित एक विकसित भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता की रीढ़ हैं।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता
प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

(पर्यावरण दिवस विशेष)

ग्रीन गुरु आर्यम जी ने मसूरी से वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ किया

(आर्यम समुदाय इस वर्ष देश भर में इक्यावन हज़ार वृक्ष लगाएगा)

इंडिया वार्ता ब्यूरो

मसूरी(देहरादून) । उत्तराखंड। देवभूमि उत्तराखण्ड में अवस्थित आर्यम इंटरनेशनल फ़ाउंडेशन के तत्त्वावधान में संचालित भगवान शंकर आश्रम द्वारा आनंद वाटिका प्रकल्प के अंतर्गत हस्त अहोरात्र नक्षत्र की दशमी तिथि गंगा दशहरा,विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर %मेरा पौधा, मेरा जीवन, मेरे संग% अभियान प्रारंभ हुआ । आर्यम समुदाय ने इस वर्ष देश भर में 51 हज़ार वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है ।आर्यम जी महाराज को उनके पर्यावरण और प्रकृति प्रेम को देखते हुए ग्रीन गुरु के रूप में जाना जाता है । ट्रस्ट के मुख्य अधिष्ठाता परमप्रज्ञ जगद्गुरु प्रोफ़ेसर पुष्पेंद्र कुमार आर्यम जी महाराज के संकल्प और प्रयासों से यह अभियान वर्ष 2016 से चल रहा है ।आर्यम गुरुदेव ने कहा कि बढ़ती गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग में केवल वृक्षारोपण ही हमारे और पृथ्वी के स्वास्थ को संतुलित रख सकता है। बाढ़, सूखा, प्रदूषण और अन्य प्राकृतिक घटनाओं का हेतु वृक्षों की कटाई है। गुरुदेव श्री आर्यम का कथन है कि जो व्यक्ति पेड़ पौधों के संग साथ है, उनकी सेवा में रत है और प्रकृति में ईश्वरीय ऊर्जा की झलक देखता है वो दीर्घजीवी ही नहीं बल्कि सचेत मनुष्य के रूप में स्थापित होता है। भगवान शंकर आश्रम के तत्त्वावधान में गुरुदेव आर्यम श्री के सानिध्य में आनंद वाटिका प्रकल्प, इसी विचार को व्यावहारिक जीवन में उतारने की कोशिश है। आश्रम के क्षेत्र में आज दस हज़ार से अधिक वृक्ष लहलहा रहे हैं। यह छह वर्गों में बाँटे जा सकते हैं – ज्योतिषीय, नक्षत्रीय, आध्यात्मिक, आयुर्वादिक, भौगोलिक और सजावटी। प्रमुख ज्योतिषीय, नक्षत्रीय, और आध्यात्मिक पौधों में चीड़, शीशम, पीपल, बरगद, शम्मी, मदार, आम, गूलर, रुद्राक्ष, कपूर, टिमरू, बाँझ, जैकरंडा, तोता, सत्यानाशी, धतूरा, पारिजात, सहदेवी, गरुड़, विष्णु कमल, लक्ष्मी कमल, सामान्य कमल इत्यादि मौजूद हैं। वहीं आयुर्वादिक में इलाइची, लेमनग्रास, ओलिव, तेजपत्ता, आमला, लौंग, दालचीनी, हल्दी, वैजयंती, अलोवेरा, रीठा, सिकाकाई ,केला, बिच्छू बूटी, इत्यादि हैं। भौगोलिक में बाँझ, टिमरू, बुरांश, देवदार, चीड़, किन्नौर, साइप्रस इत्यादि हैं। फल प्रदायक में जामुन, माल्टा, अखरोट, बादाम, आडू ,अंजीर,खुमानी,पल्म, संतरा,नारंगी,जमोया इत्यादि वृक्ष मौजूद हैं। अंत में सजावटी पौधों में बिगोनिया, गुड़हल, सिलवासा, मधुमालती, बाँस, फ़्यूशिया, गुलाब, झाड़ गुलाब, इत्र गुलाब, लिली, लोटा बाँस, बॉटल ब्रश, मोगरा इत्यादि हैं।

समस्त उत्तराखंड में केवल भगवान शंकर आश्रम में ही रक्त और श्वेत वर्णी ब्रह्मकमल खिलते हैं। ब्रह्मकमल का मसूरी की घाटी में उगना स्वयं में अद्वितीय है, चूँकि जो तापमान और वातावरण इन्हें चाहिए वह केवल हिमालय पर्वत की ऊँची कंदराओं में ही संभव है और वहीं ये अक्सर खिलते हैं। आर्यम जी महाराज का कहना है कि पेड़ पौधों को केवल पानी, खाद–मिट्टी, और धूप ही नहीं बल्कि भाव भी चाहिए होता है। ब्रह्मकमल उन पौधों में से एक है जिसमें स्वयं परमात्मा का वास है। ऐसी मान्यता है कि ब्रह्मकमल को खिलता देख आप जो भी मनोकामना माँगते हैं उस पर माँ पार्वती की विशेष कृपा होती है। फूलों परमात्मा को अर्पित किए जाते हैं किंतु ब्रह्मकमल की पूजा की जाती है।

ट्रस्ट की अधिशासी प्रवक्ता माँ यामिनी श्री ने बताया कि आर्यम जी महाराज के सानिध्य में आज विश्व पर्यरण दिवस पर , अपराजिता,रुद्राक्ष , बेलपत्र और कपूर के पौधे रौंपे गए। जहाँ वृक्षों की कटाई अतिशयता से हो रही है वहीं आयर्म जी महाराज ने इस वर्ष इक्यावन हज़ार वृक्षों को रोपने का लक्ष्य रखा है। मेरा पौधा मेरा जीवन मेरे संग अभियान वर्ष 2016 से अद्यतन है। उन्होंनें देश विदेश में अपने शिष्यों से आह्वान किया है कि वो पर्यावरण के संरक्षण के भागी बनें चूँकि प्रकृति के संवर्धन से ही मानव जीवन का विकास संभव है। कार्यक्रम के आयोजन में वन विभाग मसूरी के अधिकारियों का भी सहयोग रहा । आज के इस वृक्षारोपण अभियान के अवसर पर माँ यामिनी श्री,राकेश रघुवंशी, संध्या रघुवंशी, सुनील आर्य, ज्योति, श्वेता जयसवाल, रमन सिंह, हर्षिता आर्यम आदि उपस्थित थे

मानदेय का भुगतान नहीं होने पर संविदा कर्मियों में रोष

बागेश्वर ,इंडिया वार्ता ब्यूरो। चार विद्युत संविदा कर्मियों को मानदेय का भुगतान न होने से संविदा कर्मियों में रोष है। विद्युत संविदा श्रमिक संघ ने तत्काल भुगतान किए जाने की मांग को लेकर ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन भेजा है। अधिशासी अभियंता को भेजे ज्ञापन में विद्युत संविदा श्रमिक संघ ने कहा है कि सब स्टेशन डंगोली में कार्यरत एक लाइनमैन व तीन मीटर रीडरों को दो माह से मानदेय का भुगतान नहीं हो पाया है। जिससे उनके सामने परिवार के भरण–पोषण की समस्या खड़ी हो गई है। विभाग ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अधिकृत ठेकेदार कौन है। किससे शिकायत की जाए। बीमा भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने मानदेय दिए जाने और स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग की है। ज्ञापन भेजने वालों में विद्युत संविदा श्रमिक संघ के अध्यक्ष नारायण सिंह परिहार, उपाध्यक्ष प्रकाश खुल्बे, मंगल सिंह बिष्ट, चतुर सिंह भंडारी, प्रकाश राम आदि शामिल हैं।

छोटे–छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव : डीएम सविन बंसल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज देहरादून में जिलाधिकारी सविन बंसल ने पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राशि वाटिका में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में, उन्होंने नंदा–सुनंदा की लाभार्थी बालिकाओं, आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर के बच्चों, शिशु सदन और बालिका निकेतन के बच्चों के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया। इस दौरान अर्जुन, आंवला, जामुन, अमरूद और मोलश्री जैसे पौधों का रोपण किया गया।

पर्यावरण संरक्षण की शपथ और पॉलीथिन मुक्त अभियान

जिलाधिकारी सविन बंसल ने उपस्थित सभी बच्चों, अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई, जिसमें पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने और जूट के थैलों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने स्वयं जूट के थैले वितरित कर लोगों को पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।

हमारी अच्छी आदतें, सुरक्षित भविष्य की नींव

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा, 卐हम अपने छोटे–छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आपकी एक अच्छी आदत, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित धरती का निर्माण कर सकती है।卐 उन्होंने सभी से पेड़ लगाने या पौधों की देखभाल करने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, बिजली और पानी का दुरुपयोग न करने, कूड़े को सही जगह पर डालने और कचरा पृथक्करण (सेग्रिगेशन) करने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने आसपास के लोगों को भी पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित करने की बात कही।

बच्चे~ कल के पर्यावरण प्रहरी

जिलाधिकारी ने नौनिहालों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए उन वस्तुओं का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया जिनसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 卐आज के बच्चे कल के देश के भविष्य हैं। इनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मानव मूल्य और पर्यावरण संरक्षण की ललक जगाना आवश्यक है।卐 उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वे देश का भविष्य हैं और पर्यावरण की रक्षा में उनकी भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने बच्चों से अपने घर की तरह ही पर्यावरण, पेड़, पानी, हवा, भूमि और जानवरों की रक्षा करने का आह्वान किया।

वैश्विक चुनौतियों का सामना और जिम्मेदारी का महत्व

जिलाधिकारी ने वर्तमान वैश्विक चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे निपटने के लिए हमें अभी से सतर्क और जिम्मेदार बनना होगा। उन्होंने बच्चों से अपेक्षा की कि वे पर्यावरण के सच्चे प्रहरी बनेंगे और अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

वृहद पौधरोपण अभियान~ पोलिंग बूथों पर हरियाली का संदेश

इस अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा 05 जून को अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस से जुलाई माह में हरेला पर्व के अंत तक सभी पोलिंग बूथों पर एक वृहद पौधरोपण अभियान चलाने की घोषणा की गई। इस अभियान के तहत जिले के सभी 1882 पोलिंग बूथों पर पर्यावरण संरक्षण के साथ निर्वाचन में भागीदारी का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, निदेशक ग्रामीण विकास अभिकरण विक्रम सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय अपूर्वा सिंह, अपर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी रावत, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सीमा नौटियाल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पीसी त्रिपाठी सहित कलेक्ट्रेट और अन्य विभागों के अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

अब राम लला के साथ करें राम दरबार के दर्शन, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

अयोध्या ,एंजेंसी। अयोध्या में एक नया अध्याय और जुड़ गया। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य मंदिर में राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा की। इस मौके पर वैदिक मंत्रों की ध्वनि चारों दिशाओं में गुंजायमान रही। आचार्यों और संतों का स्वर, शंखध्वनि ने अध्यात्म का माहौल बना दिया। अब लोगों को यहां राम लला के साथ ही उनके भव्य दरबार के भी दर्शन होंगे।

अभिजीत मुहूर्त, वेदघोष और मंत्रोच्चार की ध्वनि के बीच अयोध्या में गंगा दशहरा के अवसर पर श्रीराम दरबार सहित समस्त नवनिर्मित देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हुए इस त्रिदिवसीय अनुष्ठान का यह अंतिम दिन था, जिसमें वैदिक परंपरा और आधुनिक तकनीक का दुर्लभ संगम देखने को मिला।

आयोजन का समापन विशेष आरती और भंडारे के साथ हुआ। बुधवार सुबह प्रात: 6:30 बजे यज्ञमंडप में आह्वानित देवताओं के पूजन के साथ अनुष्ठान की विधिवत शुरुआत हुई। दो घंटे चले इस पूजन के बाद सुबह 9 बजे से हवन प्रारंभ हुआ, जो लगभग एक घंटे तक चला। इसके बाद सभी नवनिर्मित देवालयों में केंद्रीयकृत दृश्य और श्रव्य माध्यमों की सहायता से एक साथ प्राण प्रतिष्ठा का पावन कार्य सम्पन्न हुआ।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत मंदिर परिसर के विभिन्न भागों में स्थित देवविग्रहों में विधिपूर्वक प्राणस्थापन किया गया। इनमें प्रमुख रूप से श्रीराम दरबार, शेषावतार, परकोटा के ईशान कोण पर शिव मंदिर, अग्निकोण में गणेश जी, दक्षिणी भुजा में हनुमान जी, नैऋत्य कोण में सूर्य देव, वायव्य कोण में मां भगवती तथा उत्तरी भुजा में अन्नपूर्णा माता की मूर्तियां शामिल हैं।

पूरे मंदिर परिसर को दृश्य माध्यमों (कैमरा एवं स्क्रीन) के माध्यम से एकीकृत किया गया था, जिससे सभी देवालयों में एक ही समय पर मंत्रोच्चार की सामूहिक गूंज के साथ प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हो सकी। प्राण प्रतिष्ठा के इस आयोजन में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, वैदिक आचार्य, रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी और आम श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित होने वाले राम दरबार की महिमा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि स्थापत्य की दृष्टि से भी अतुलनीय होने जा रही है। राम दरबार का निर्माण जिस संगमरमर पत्थर से हुआ है।

हमारा हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित 'ज्, केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली,एंजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए सरकार को केंद्र में 11 साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने गुरुवार को अपनी सरकार के 11 साल के कार्यकाल में गरीब कल्याण के लिए किए गए कार्यों को गिनाया। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 साल में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स' पर कई पोस्ट किए। उन्होंने अपने पहले पोस्ट में लिखा, बीते 11 साल में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। इस दौरान हमारी उपलब्धियां न सिर्फ अभूतपूर्व हैं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को आसान बनाने वाली हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि देश को आगे ले जाने के अपने इन प्रयासों के साथ हम विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे।

एक अन्य %एक्स' पोस्ट में प्रधानमंत्री ने अपनी कई योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, गरीब कल्याण के लिए समर्पित सरकार। पिछले एक दशक में, एनडीए सरकार ने कई लोगों को गरीबी के चंगुल से निकालने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमारी प्रमुख योजनाओं ने गरीबों के जीवन को बेहतर बनाया है। पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने लोगों को आवास, स्वच्छ रसोई ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान की है।

डीबीटी, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर जोर ने पारदर्शिता और अंतिम व्यक्ति तक तेजी से लाभ पहुंचाने को सुनिश्चित किया है। इन प्रयासों से 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। एनडीए एक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अवसर मिले। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार के प्रयासों से परिवर्तनकारी परिणाम सामने आए हैं और गरीब तथा हाशिए पर पड़े लोगों को लाभ हुआ है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान मेरी लाइफ अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाएगा

नईदिल्ली,एंजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय अभियान मेरी लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) के तहत बड़े उत्साह और संस्थागत प्रतिबद्धता के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाया। सभी गतिविधियाँ इस बैनर के तहत आयोजित की गईं, जो पर्यावरणीय स्थिरता पर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ एआईआईए के संरेखण को दर्शाती हैं। इस वर्ष की थीम, प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना सभी पहलों का केंद्र बिंदु रही। इस समारोह में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्रभावशाली गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें एक प्रभावशाली पर्यावरण जागरूकता रैली भी शामिल थी, जिसमें सामूहिक नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए पीजी और पीएचडी विद्वानों, संकाय सदस्यों, संस्थागत कर्मचारियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। छात्रों द्वारा प्लास्टिक की दुनिया, प्रकृति का विनाश नामक एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को दर्शाया गया तथा आयुर्वेदिक ज्ञान को एक स्थायी विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस प्रदर्शन ने जनता तथा स्वास्थ्य सेवा आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया तथा उनकी सराहना की। एक बड़े सामूहिक वृक्षारोपण अभियान में, एआईआईए परिसर में 500 से अधिक औषधीय और देशी पौधे लगाए गए, और घर-आधारित हर्बल खेती को प्रोत्साहित करने के लिए रोगियों को 200 पौधे वितरित किए गए। इन हरित पहलों को संकाय, विद्वानों और सामुदायिक हितधारकों की उत्साही भागीदारी द्वारा समर्थन दिया गया था। 22 मई से 5 जून के बीच, संस्थान ने प्लास्टिक प्रदूषण, टिकाऊ प्रथाओं और आयुर्वेदिक पारिस्थितिकी पर लक्षित जागरूकता अभियानों के साथ 5,000 से अधिक रोगियों तक सफलतापूर्वक पहुँचा। छात्रों को प्लास्टिक के प्राकृतिक विकल्पों का प्रस्ताव देने और कल्पना करने के लिए प्रेरित करने के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता जैसे शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 5 जून 2025 को एआईआईए मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रोफेसर एम.एम. राव, चिकित्सा अधीक्षक; प्रोफेसर योगेश बडवे, डीन पीजी; और डॉ मीना एस देवगड़े, द्रव्यगुण विज्ञान विभाग की प्रमुख और एआईआईए में मेरी रुद्वस्नश्व अभियान की नोडल अधिकारी उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में पर्यावरण शपथ, कार्यक्रम-पूर्व गतिविधियों का सारांश, प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरण और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा ज्ञानवर्धक संबोधन शामिल थे। इस समारोह में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने पर्यावरणीय जिम्मेदारी के संदेश को आगे बढ़ाने में एकीकृत संस्थागत भागीदारी का प्रदर्शन किया। इस समारोह ने पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से एक टिकाऊ, हरित और प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए राष्ट्रीय आंदोलन के प्रति एआईआईए के समर्पण की पुष्टि की।

10 मिनट में नहीं किया ये काम तो बंद हो जाएगा आपका आईआरसीटीसी अकाउंट, रेलवे के फैसले से फर्जी टिकट बुकियों में हड़कंप

नई दिल्ली,एंजेंसी।। रेलवे यात्रियों की तत्काल टिकिट बुक करने की समस्या कम होने वाली है। जल्द ही टिकट बुकिंग के वक्त ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क के जरिए इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा इस नियम से जरूरतमंद और असली यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकेगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की धांधली और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी। दरअसल अगर आपका ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट अकाउंट आधार से लिंक होगा, तो आपको तत्काल टिकट बुक करने में पहले 10 मिनट में मौका मिलेगा। ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट एजेंट पहले 10 मिनट में टिकट बुक नहीं कर सकते, यानी आम यात्रियों को पहले मौका मिलेगा।

दरअसल रेलवे ने पाया है कि बहुत सारे लोग टिकट बुक करने के लिए ऑटोमेटिक सॉफ्टवेयर (बॉट्स) का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे आम लोगों को टिकट नहीं मिल पाता। इसी वजह से रेलवे ने सख्ती शुरू कर दी है। सख्ती के तहत रेलवे ने 6 महीने में 2.4 करोड़ फर्जी अकाउंट बंद कर दिए हैं। 20 लाख और अकाउंट की जांच चल रही है। आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर इस समय करीब 13 करोड़ एक्टिव यूज़र हैं, लेकिन इनमें से केवल 1.2 करोड़ अकाउंट ही आधार से जुड़े हुए हैं। अब रेलवे बाकी के लगभग 11 करोड़ 80 लाख अकाउंट की विशेष जांच करेगा। जो अकाउंट संदिग्ध पाए जाएंगे, उन्हें ब्लॉक कर दिया जाएगा।

सोहन सिंह ठंडल भाजपा छोड़ शिअद में शामिल, नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस की टिकट का इंतजार

लुधियाना,एंजेंसी। पंजाब की राजनीति से जुड़ी 2 अहम खबरें वीरवार को सामने आईं। शिरोमणि अकाली दल के पुराने साथी और लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हुए सोहन सिंह ठंडल फिर से शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गए हैं। लुधियाना में पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में सोहन सिंह ठंडल ने अकाली दल में वापसी की और कहा कि शिरोमणि अकाली दल ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत की बात करती है।

कुमाऊं रेजिमेंट सेंटर पहुंचे राज्यपाल, वीर नारियों का किया सम्मान और जवानों से की भेंट

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को अपने अल्मोड़ा दौरे के दौरान रानीखेत स्थित कुमाऊं रेजिमेंट सेंटर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों, जवानों और प्रशिक्षु अग्निवीरों से संवाद स्थापित करते हुए सैन्य परंपराओं और नवाचारों की सराहना की। राज्यपाल के रानीखेत आगमन पर जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा और कुमाऊं रेजिमेंट के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कुमाऊं रेजिमेंट सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर एस. के. यादव ने राज्यपाल को सेंटर की गतिविधियों और भावी

योजनाओं की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। राज्यपाल ने सेंटर द्वारा संचालित %आउटरीच प्रोग्राम्स% के तहत सैनिकों एवं उनके परिजनों के लिए चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रमों, दस्तावेजों के डिजिटलीकरण और उच्च शिक्षण संस्थानों से किए जा रहे समन्वय की सराहना की। उन्होंने सुझाव दिया कि सैनिकों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण, उद्यानिकी, होमस्टे, मौन पालन जैसे स्वरोजगार योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय स्तर पर विशेष केंद्र विकसित किए जाएं। राज्यपाल ने कुमाऊं रेजिमेंट के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित और अनुशासित इन्फैंट्री रेजिमेंट्स में से एक है, जिसमें वर्तमान में 23 बटालियनें कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि यह रेजिमेंट न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा में अग्रणी रही है, बल्कि इसकी प्रशिक्षण परंपरा और युद्ध क्षमता ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विशिष्ट पहचान दिलाई है। भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने सैन्य प्रशिक्षण केंद्रों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और डिजिटलीकरण, स्मार्ट फायरिंग सिमुलेटर, आईटी एवं ऑनलाइन कोर्स, जेसीओ के लिए ऑनलाइन परीक्षा केंद्र और हाई परफॉर्मेंस सेंटर जैसी नवाचार पहलों की सराहना की। उन्होंने सैनिकों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आर्चरी, बॉक्सिंग और ताइक्वांडो जैसे खेलों को प्रशिक्षण का हिस्सा बनाए जाने को अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर राज्यपाल ने वीर नारियों का सम्मान किया और रेजिमेंट सेंटर के अंतर्गत संचालित वूल केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां पूर्व सैनिकों की आश्रित महिलाएं ऊन से जैकेट और शॉल जैसे गर्म कपड़ों का निर्माण कर रही हैं। राज्यपाल ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्ता और आत्मनिर्भरता की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है। अपने दौरे के अंत में राज्यपाल परिवार सहित रानीखेत स्थित प्रसिद्ध झूला देवी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। इस मौके पर कुमाऊं रेजिमेंट के कमांडेंट ब्रिगेडियर एस. के. यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रानीखेत राहुल आनंद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरबंश सिंह सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विकासखण्ड द्वाराहाट में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी अधिकारी (नोडल अधिकारी) डा. आर. के. शर्मा ने बताया कि विकासखण्ड द्वाराहाट में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन दिनांक 29.05.2025 से किया जा रहा है जिसमें स्वरोजगारपरक व्यवसाय के बारे में जानकारी देने के साथ ही कृषकों को फसल उत्पादन के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में डा0 रेनू द्वारा कृषकों को बेमौसती सब्जी उत्पादन, फल उत्पादन एवं पुष्प उत्पादन के बारे में जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषकों उपयोगी जानकारियों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर डा0 मुक्ता नैनवाल ने कृषकों को मौसम अनुरूप कृषि कार्य करने हेतु प्रेरित किया। मौसम सम्बन्धी जानकारियाँ कृषकों को वाट्स एप ग्रुप के माध्यम से भी प्रेषित की जा रही है के बारे में जानकारी दी।

विकासखण्ड लमगड़ा में डा0 उमा नौलिया टीम प्रभारी द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान में पशु पालन सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारियाँ कृषकों को दी। जिसमें मुख्य रूप से पशुओं में खुरपका, मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए जल्द से जल्द टीकाकरण कराया जाना अति आवश्यक है। अनिल पवार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जल संरक्षण एवं चारा उत्पादन पर जानकारी प्रदान की गयी। विकासखण्ड प्रभारी कृषि विभाग, उद्यान विभागों एवं अन्य रेखीय विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग द्वारा चलाई जा रही किसान कल्याण योजनाओं के बारे में कृषकों को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कृषकों द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं कार्यक्रम का फीडबैक भी लिया गया समस्त विभागीय टीम द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र पर भ्रमण कर कृषकों को नवीनतम तकनीकियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

नशे मे खतरनाक तरीके से टैक्सी दौड़ा रहे चालक को द्वाराहाट पुलिस ने किया गिरफ्तार, कार सीज आम जनमानस के लिये बन रहा था खतरा

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा समस्त थानाध्यक्षों को ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध अभियान चलाकर नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गये है। कल दिनांक 04.06.2025 को अपर पुलिस अधीक्षक श्री हरबन्स सिंह व सीओ रानीखेत श्री विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष द्वाराहाट श्री अवनीश कुमार के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था,इसी दौरान UK-01TA3453 का चालक रोशन कुमार ग्राम व्येला,द्वाराहाट नशे की हालत मे कार को खतरनाक तरीके से चला रहा था,जिससे आम जनमानस का जीवन संकटमय हो रहा था । वाहन चालक को MV ACT की धारा 185 के अन्तर्गत गिरफ्तार किया गया और कार को सीज किया गया ।

एसएसपी अल्मोड़ा के सख्त निर्देशों पर अपराधियों की धरपकड़ तेज

1 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले फर्जी चिट फंड कंपनी के चेयरमैन को मिसरोद मध्य प्रदेश से धर दबोचा

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। दिनांक 22-02-2021 को प्रकाश सिंह पुत्र मोहन सिहं निवासी ग्राम- चमना पो0- छानागोलू ने तहरीर दी कि साई राम बिलटेक लिमिटेड व श्री राम मल्टी प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड एवं अनन्या आर0टी0एम0 सैल एण्ड मार्केटिक प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी ने वर्ष 2014 में मेन मार्केट बग्वालीपोखर तहसील द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा में अपना कार्यालय खोला। कम्पनी के कागजात व रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र दिखाकर निवेश करने के लिए हमें प्रेरित किया,विश्वास कर कम्पनी के लिए कार्य करना शुरु कर दिया। जिसमें अपना व अपने जानने वाले सैकड़ो लोगों का करीब 1 करोड़ रुपया आर0डी व एफ0डी0 के रुप मे कम्पनी मे जमा कराया, वर्ष 2017 तक कम्पनी लेन-देन करती रही। अचानक अगस्त 2017 में कम्पनी ने अपना सॉफ्टवेयर बन्द कर दिया। उसके पश्चात संपर्क किया गया तो रुपये वापस करने का आश्वासन देते रहते थे,लेकिन कुछ समय पश्चात इनका संपर्क नंबर बन्द हो गये तहरीर के आधार पर थाना द्वाराहाट में स्त्रक्कक्रहह- 6/2021 पंजीकृत की गई थी। श्री देवेन्द्र पींचा,एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा लोगों से लगभग 1 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले संलिप्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिये संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये थे।

2021 से फरार चल रहे फर्जी चिटफंड कंपनी के चेयरमैन संजय सिंह मेवाड़ा की गिरफ्तारी के लिये एसएसपी महोदय द्वारा इसी वर्ष जनवरी में 5000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अपर पुलिस अधीक्षक श्री हरबन्स सिंह व सीओ रानीखेत श्री विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में निरीक्षक श्री भुवन जोशी,एसओजी प्रभारी अल्मोड़ा एवं थानाध्यक्ष द्वाराहाट श्री अवनीश कुमार के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी-पतारसी करते हुए अथक प्रयासों से सर्विलांस टीम के सहयोग से दिनांक 03/06/2025 को 1200 कि0मी0 दूर मिसरोद मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त विवरण- संजय सिंह मेवाड़ा उम्र-40 वर्ष पुत्र बहादुर सिंह मेवाड़ा निवासी ढावलाधीर (ढावलामाता) थाना-काला पीपल शाजापुर मध्य प्रदेश। पुलिस टीम- 1. उ0नि0 श्री हरविन्दर कुमार चौकी प्रभारी बग्वालीपोखर थाना-द्वाराहाट 2. कानि0 श्री मनमोहन सिंह 3. कानि0 इरशाद उल्ला-एसओजी अल्मोड़ा

DM व SSP ALMORA ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का सन्देश वृक्षारोपण के लिए जनमानस को किया प्रेरित

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो) आज दिनांक,05 जून, 2025 को जिलाधिकारी, श्री आलोक कुमार पाण्डेय व श्री देवेन्द्र पींचा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति को हरियाली युक्त व जीवंत रखने हेतु तहसील परिसर रानीखेत में फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने व पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया। जनपद के थाना/चौकियों के पुलिस बल द्वारा फलदार व छायादार वृक्षो को रोपित कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई।

दिव्या खोसला की फिल्म सावी ने पूरे किए एक साल, एक्ट्रेस ने किया यादगार किरदार का जश्न

दिव्या खोसला की मुख्य भूमिका वाली फिल्म %सावी' को आज रिलीज हुए पूरा एक साल हो गया है। इस मौके पर दिव्या ने फिल्म और उसमें निभाए गए अपने शक्तिशाली किरदार को याद करते हुए खास जज्बात जाहिर किए हैं।

अभिनय देव के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक साधारण गृहिणी की कहानी है, जो अपने पति को झूठे हत्या के आरोपों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है। दिव्या ने इस भूमिका को अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार भूमिकाओं में से एक बताया।

फिल्म की सालगिरह पर दिव्या खोसला ने कहा, सावी मेरे दिल के बेहद करीब है और हमेशा खास रहेगी। ऐसा लग रहा है जैसे कल ही हम हर्षवर्धन राणे, अनिल कपूर और हमारे निर्देशक अभिनय देव के साथ शूट कर रहे थे। यह किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मुझे पता था कि यह रोल मुझे करना है एक ऐसी पत्नी का जो अपने पति को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

आगे दिव्या कहती हैं, मेरे लिए इससे बड़ी मान्यता कोई नहीं हो सकती थी कि मैंने ऐसा किरदार चुना जो दर्शकों से जुड़ गया और फिल्म की व्यावसायिक सफलता में योगदान दिया। मुझे खुशी है कि मैंने यह प्रोजेक्ट किया।

%सावी' में दिव्या की परफॉर्मेंस को भावनात्मक दृश्यों, तीखे संवादों और रोमांचक क्लाइमैक्स के लिए खूब सराहा गया। दर्शकों को उनके अभिनय में संवेदनशीलता और ताकत दोनों का अद्भुत संतुलन देखने को मिला, जिसने उन्हें स्क्रीन से बांधे रखा।

यह फिल्म दिव्या के करियर में एक नया अध्याय जोड़ने वाली साबित हुई, जिसमें उन्होंने अपने परंपरागत छवि से हटकर एक बोल्ड और बहुआयामी किरदार निभाया। सावी' की सफलता के बाद अब दिव्या खोसला निर्देशक प्रेर्णा अरोड़ा के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम और विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इस जोड़ी की नई साझेदारी ने पहले से ही फैंस में उत्सुकता बढ़ा दी है। दिव्या के फैंस को अब इस नए प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, जो उनके करियर को एक और नया मुकाम दिला सकता है।

कांग्रेस ने जर्जर पेड़ों को लेकर वन विभाग को घेरा, तत्काल समाधान की मांग

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। महानगर कांग्रेस कमेटी ने आज महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर (छस्त्रह) को एक ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस ने शहर में तूफान और बारिश के कारण जर्जर हो चुके पेड़ों से आम जनता को हो रहे जान-माल के खतरे पर चिंता व्यक्त की है।

डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने बताया कि देहरादून में सड़क किनारे कई ऐसे पेड़ हैं जिनकी जड़ें कमजोर हो चुकी हैं और वे राहगीरों के लिए खतरा बने हुए हैं। हाल ही में प्रेम नगर, राजपुर रोड, सुभाष रोड और अन्य इलाकों में भारी बारिश और तूफान के चलते पेड़ गिरने से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं और कुछ लोग घायल भी हुए। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने पूरे हफ्ते अलर्ट जारी किया है और आगे मानसून का सीजन भी है। कांग्रेस ने मांग की है कि ऐसे खतरनाक पेड़ों को या तो काटने की उचित व्यवस्था की जाए, या फिर उनकी जड़ों को मजबूत करने का कोई इंतजाम किया जाए ताकि किसी को नुकसान न हो। डॉ. गोगी ने स्मार्ट सिटी परियोजना के नाम पर काटे गए सैकड़ों पेड़ों का भी जिक्र किया और कहा कि वन विभाग की जिम्मेदारी है कि वह मानसून से पहले पेड़ों, बिजली के खंभों, होर्डिंग्स और बैनरों की उचित व्यवस्था करे। उन्होंने यह भी बताया कि पेड़ गिरने से बिजली के खंभे भी क्षतिग्रस्त होते हैं, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित होती है और लोगों को अंधेरे में रहना पड़ता है।

ज्ञापन सौंपने से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएफओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन भी किया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह सहित कई पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस ने इस ज्ञापन के माध्यम से जनता से जुड़ी इस परेशानी पर तत्काल उचित कार्रवाई की अपेक्षा की है।

उत्तराखंडः प्रमुख अनुसूचित जाति नेता नोहर सिंह कांग्रेस में शामिल

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। उत्तराखंड में अनुसूचित जाति/जनजाति के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और आंबेडकर युवक संघ के पूर्व महासचिव नोहर सिंह अपने सहयोगियों के साथ आज कांग्रेस में शामिल हो गए।

ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री से राजपत्रित अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त होने के बाद, नोहर सिंह ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया। उन्होंने विधिवत पार्टी मुख्यालय पहुंचकर सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन व प्रशासन) सूर्यकांत धस्माना ने नोहर सिंह का पार्टी में स्वागत किया और उन्हें अंग वस्त्र पहनाया।

नोहर सिंह ने बताया कि उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान से प्रभावित होकर यह निर्णय लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को बदलना चाहती है। उनके अनुसार, भारत के संविधान को बचाना केवल कांग्रेस की प्राथमिकता है, और इसी कारण उन्होंने अपने साथियों राकेश कुमार और सुरेश के साथ कांग्रेस में शामिल होकर राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने का फैसला किया है। इस अवसर पर पार्टी महासचिव जगदीश धीमान, देवेंद्र सिंह, दिनेश कौशल और श्रीमती मंजू त्रिपाठी सहित कई अन्य पार्टी सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. आहुजा पैथोलॉजी एण्ड इमेजिंग सेन्टर ने मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर से की साझेदारी

दोनों मिलकर उत्तराखंड के 25 अतिरिक्त शहरों में डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार करेंगे

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। देहरादून की प्रमुख डायग्नोस्टिक चेन डॉ. आहुजा पैथोलॉजी एण्ड इमेजिंग सेन्टर (डीएपीआईसी) ने देश की दूसरी सबसे बड़ी डायग्नोस्टिक कंपनी मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ग्रुप के साथ साझेदारी की है। यह गठजोड़ बिजनेस ट्रांसफर एग्रीमेंट के तहत हुआ है, जिसके तहत डीएपीआईसी की क्षेत्रीय पहुंच को मेट्रोपोलिस की वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता से जोड़ा जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य भर में उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती और आधुनिक जांच सेवाओं को और अधिक लोगों तक पहुंचाना है। इस समय डीएपीआईसी देहरादून में दो एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं और नौ रोगी सेवा केंद्र संचालित कर रहा है, जबकि मेट्रोपोलिस के पास एक लैब और छह केंद्र हैं। इस साझेदारी से दोनों का संयुक्त नेटवर्क मजबूत होगा और अगले तीन वर्षों में लगभग 100 नए केंद्रों को खोलने की योजना है। ये सेवाएं हरिद्वार, ऋषिकेश, रुड़की, नैनीताल, मसूरी, अल्मोड़ा, रुद्रपुर और खटीमा जैसे 20-25 शहरों तक पहुंचेंगी, जिससे लोगों को उनके घर के पास ही जरूरी स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सकेगी।

अगले एक साल में, डीएपीआईसी डायग्नोस्टिक टेस्ट का उपयोग करते हुए अपनी सेवाओं को दोगुना करने जा रही है। इसमें पाचन, गुर्दा, तंत्रिका तंत्र, कैंसर, महिला और बाल स्वास्थ्य, संक्रामक रोगों और आणविक जांच (मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स) जैसी खास जांचें शामिल होंगी। अब तक ये टेस्ट केवल बड़े शहरों में उपलब्ध थे, लेकिन अब ये स्थानीय स्तर पर भी सुलभ होंगे, जिससे मरीजों को तेज निदान और बेहतर इलाज का रास्ता मिलेगा।

इस साझेदारी से ग्राहकों को कई तकनीकी रूप से उन्नत और सुविधाजनक सेवाएं मिलेंगी-जैसे घर से सैंपल कलेक्शन, ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान, और अस्पतालों व लैब्स के लिए ऐप आधारित ट्रैकिंग सिस्टम। डीएपीआईसी के बिजनेस पार्टनर्स के लिए भी एक खास पार्टनर मैनेजमेंट पोर्टल तैयार किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता और मुनाफा बढ़ सके। इसके साथ ही टूहेल्थ्थन् वेलनेस पैकेज पेश किए जाएंगे, जो विशेष रूप से युवा और कामकाजी लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, ताकि लोग अपनी सेहत के प्रति सजग रहें।

इस साझेदारी को लेकर डॉ. आहुजा पैथोलॉजी एण्ड इमेजिंग सेन्टर के संस्थापक डॉ. आलोक आहुजा ने कहा, डीएपीआईसी में हमने हमेशा सटीक जांच और समुदाय की सेवा को प्राथमिकता दी है, और यही हमारे भरोसे की बुनियाद है। मेट्रोपोलिस के साथ यह साझेदारी हमें उत्तराखंड के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने में मदद करेगी। मेट्रोपोलिस की तकनीकी विशेषज्ञता और समर्थन के साथ, अब हम तेजी से विस्तार कर पाएंगे, अत्याधुनिक जांच स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करा पाएंगे और मरीजों के लिए सेवाओं को और किफायती बना पाएंगे।

मैं अपने सभी सहयोगियों, डॉक्टरों और मरीजों को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि मैं पहले की तरह पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करता रहूंगा। हम मिलकर नई तकनीकों में निवेश करेंगे, अपनी टीमों को प्रशिक्षित करेंगे, सेवाओं को और बेहतर बनाएंगे और साथ ही डीएपीआईसी की वही व्यक्तिगत देखभाल बरकरार रखेंगे, जिसके लिए हमें जाना जाता है। मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड की चीफ साइंटिफिक और इनोवेशन ऑफिसर डॉ. कीर्ति चड्ढा ने कहा, यह साझेदारी हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि हम उन्नत डायग्नोस्टिक सेवाओं को सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि उन्हें छोटे शहरों और कस्बों तक पहुंचाना चाहते हैं। डीएपीआईसी की मजबूत स्थानीय पकड़ और मेट्रोपोलिस की वैज्ञानिक विशेषज्ञता को मिलाकर हम उत्तराखंड में एक ऐसा डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म तैयार करना चाहते हैं जो भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम हो।

डिजिटल टेक्नोलॉजी के उपयोग से लेकर गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने तक, हमारा ध्यान ऐसी विश्वसनीय और गहराई से विश्लेषित रिपोर्ट देने पर है जो डॉक्टरों को सही समय पर, सही फैसले लेने में मदद करे। यह साझेदारी डायग्नोस्टिक सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और सटीक जांच को हर व्यक्ति की पहुंच में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

धामी मंत्रिमंडल की बैठक में 12 ...

नदियों जैसे परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) का गठन किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते एक वर्ष में प्रदेश में लगभग 6,500 से अधिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं उपचार का कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। लगभग 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन भी किया गया है। चारधाम यात्रा सहित विभिन्न धार्मिक, पर्यटन और अन्य अवसरों पर प्रदेश में आने वाले वाहनों में कूड़ेदान रखना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा हाल ही में प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय खेलों को 'ग्रीन गेम्स' की थीम पर आयोजित किया गया था। इस आयोजन में सभी मेडल और पुरस्कार ई-वेस्ट सामग्री से बनाए गए और खेल किट भी रीसाइकल्ड सामग्री से तैयार किए गए।

वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है। जिसके फलस्वरूप आज देश में कार्बन को अवशोषित करने वाले सर्वश्रेष्ठ पांच राज्यों में उत्तराखंड का नाम है। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए हमने जन सहभागिता को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा उत्तराखंड आने वाले यात्रियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आज राज्य में प्लास्टिक के विकल्प पर भी कार्य किया जा रहा है। प्लास्टिक के न्यूनतम इस्तेमाल हो, इसका हमें विशेष ध्यान रखना होगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी महत्वपूर्ण है, जिसके लिए ग्रॉस एनवायरमेंट प्रोडक्ट का कांसेप्ट लाया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर राज्य स्तर पर पर्यावरण पुरस्कार देने की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा पर्यावरण और जल संरक्षण का कार्य हर किसी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, शासन, पुलिस और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

"निरन्तर विद्युत आपूर्ति से जगमग रोषन हो रहे हैं चारों धामों व हेमकुण्ड साहिब जी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। माननीय मुख्यमंत्री पुश्कर सिंह धामी जी के निर्णायक नेतृत्व तथा उनके दिषा निर्देषानुसार प्रदेश में चल रही चार धाम तथा श्री हेमकुण्ड साहिब जी की यात्रा के दौरान निरन्तर विद्युत आपूर्ति बनाये रखने के साथ देष विदेष से आ रहे श्रद्धालुओं की तीर्थ यात्रा को सुगम बनाने के उददेष्य से यूपीसीएल द्वारा सभी धामों व यात्रा मार्गों पर विद्युत आपूर्ति की बहाली पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सभी धामों एवं यात्रा मार्गों पर विद्युत आपूर्ति की स्थिति पर मुख्यालय स्थित चार धाम यात्रा कन्ट्रोल रूम द्वारा नित प्रतिदिन अनुश्रवण किया जा रहा है तथा धामों में विशम परिस्थितियों यथा खराब मौसम, भारी वर्शा एवं आंधी तूफान जैसे घटकों से बाधित विद्युत व्यवस्था को यूपीसीएल के क्षेत्रीय दलों द्वारा युद्धस्तर पर कार्य कर न्यूनतम समय में विद्युत आपूर्ति की बहाली सुनिष्चित की जा रही है। वर्तमान में सभी धामों में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है तथा प्रबन्ध निदेषक महोदय द्वारा श्रद्वालुओं की सुविधा के लिये सभी क्षेत्रीय दलों को धामों में 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने एवं वोल्टेज लेवल को सामान्य रखने हेतु निर्देषित किया गया है। साथ ही प्रबन्ध निदेषक, यूपीसीएल द्वारा निर्गत निर्देषों के अनुरूप निदेषक (परिचालन) द्वारा चारों धामों एवं श्री हेमकुण्ड साहिब जी की निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिष्चित करने हेतु सभी 33/11 के0वी0 उपसंस्थानों, एच0टी0/एल0टी0 लाइनों तथा स्ट्रीट लाइटों की स्थिति का नित्य प्रतिदिन अनुश्रवण किया जा रहा है तथा आकस्मिकता की स्थिति को देखते हुए सभी धामों में सामग्री यथा कण्डक्टर, केबिल, पोल, ट्रासफार्मर की व्यवस्था भी सुनिष्चित की गई है जिससे आ रहे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। प्रबन्ध निदेषक, यूपीसीएल स्वयं चारों धामों व श्री हेमकुण्ड साहिब जी की विद्युत व्यवस्था पर कड़ी नजर रखे हुये हैं तथा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देषित किया गया है कि अपने -अपने तैनाती स्थलों पर तैनात रहकर किसी भी अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर प्रदेष के चारों धामों एवं श्री हेमकुण्ड साहिब जी में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिष्चित करायेंगे तथा किसी भी विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में तुरन्त नोडल अधिकारी एवं उन्हें भी अवगत करायेंगे।

पेड़ - पौधे हमारी संस्कृति परंपरा और जीवन शैली के अभिन्न हिस्से है : सीडीओ

उत्तरकाशी, इंडिया वार्ता ब्यूरो। पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र परिसर में मुख्य विकास अधिकारी एस0एल0सेमवाल ने माल्टा पौध रोपित कर पर्यावरण संरक्षण को लेकर संन्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण को स्वच्छ तथा सुन्दर बनाने में आम जन मानस की समूहिक जन सहभागिता आवश्यक है द्य उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से परिपूर्ण है द्य यहां के पेड़ - पौधे हमारी संस्कृति परंपरा और जीवन शैली के अभिन्न हिस्से है द्य इनका संरक्षण और संवर्धन हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान आरसेटी के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा 02 द्यद्व लंबी पर्यावरण जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया द्य शपथ के माध्यम से स्वच्छता व प्राकृतिक वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक ग्राम विकास अजय सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी, जिला अर्थ एंव संख्याधिकारी चेतना अरोड़ा, निदेशक आरसेटी अमित लाल, रीप परियोजना प्रबंधक कपिल उपाध्याय द्वारा भी वृक्षारोपण कर प्राकृतिक संवर्धन का संन्देश दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

स्वास्थ्य विभाग को मिले 220 नए चिकित्साधिकारी

– राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने जारी किया परीक्षा परिणाम
– नव चयनित चिकित्सकों की जल्द होगी दूरस्थ क्षेत्रों में तैनाती

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। सूबे के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 220 नये चिकित्साधिकारी मिल गये हैं। उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने मंगलवार को चिकित्साधिकारी भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। चयनित चिकित्सकों को शीघ्र ही पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों में तैनाती दी जाएगी। जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और अधिक सुदृढ़ होगी।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के अथक प्रयासों और निरंतर विभागीय समीक्षा के उपरांत स्वास्थ्य विभाग ने उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के अंतर्गत चिकित्साधिकारी (बैकलॉग) के 276 रिक्त पदों का अधियाचन भेजा था। जिसके क्रम में चयन बोर्ड ने 27 फरवरी 2025 को रिक्त पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इसके बाद 7 से 20 मई तक साक्षात्कार आयोजित किए गए। जिसके उपरांत चयन बोर्ड ने कुल 220 योग्य अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी कर दी है। कुछ आरक्षित श्रेणियों में पात्र अभ्यर्थी न मिलने के कारण नियमानुसार पदों को अग्रेनीत कर दिया गया है। इनमें अनारक्षित श्रेणी के दिव्यांगजन उपश्रेणी के 19, अनुसूचित जाति के दिव्यांगजन उपश्रेणी के 9, अनुसूचित जनजाति के दिव्यांगजन उपश्रेणी के एक, अन्य पिछड़ा वर्ग के दिव्यांगजन उपश्रेणी के दो और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दिव्यांगजन उपश्रेणी के चार पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति श्रेणी के अंतर्गत राज्य आंदोलनकारी या उनके आश्रितों के 17, अनुसूचित जाति के राज्य आंदोलनकारी आश्रित का एक और अन्य पिछड़ा वर्ग के तीन पदों पर भी कोई पात्र अभ्यर्थी नहीं मिला। चयनित चिकित्सकों को शीघ्र ही प्रदेशभर के पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्र के चिकित्सालयों में तैनाती दी जायेगी। नये चिकित्सकों के आने से जहां प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होगी वहीं पर्वतीय व दूरथा क्षेत्रों में आम लोगों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने चिकित्साधिकारियों (बैकलॉग) के 220 पदों का चयन परिणाम घोषित कर दिया है। सभी चयनित चिकित्सकों को शीघ्र ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पर्वतीय व दूरस्थ क्षेत्र की चिकित्सा इकाईयों में तैनाती दी जायेगी। इन चिकित्सकों के आने से प्रदेश के सुदूरवर्ती इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त होंगी और सरकार का अंतिम गांव तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का संकल्प भी सिद्ध होगा। – डॉ. धन सिंह रावत, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत फलदार पौधों का रोपण

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास परिसर में धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने आम, अनार और रुद्राक्ष का पौधा लगाया।

इसके अलावा कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गढ़ीकैंट स्थित हरबंस कपूर कम्युनिटी हॉल परिसर तथा सालावाला स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय परिसर में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ पौधों का रोपण किया तथा सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम है, बल्कि यह हमें अपनी जड़ों और अपनों के प्रति भावनात्मक जुड़ाव का भी स्मरण कराता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी इस अभियान में भाग लें और अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अपनी मां या किसी प्रियजन के नाम पर अवश्य लगाएं। मंत्री जोशी ने कहा कि एक पेड़ लगाना सौ पुत्रों के समान है । यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी धरोहर भी बनता है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज पर्यावरण असंतुलन की स्थिति में है और ऐसे समय में पौधारोपण नितांत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्य नहीं है, बल्कि इसके बाद उसकी देखरेख भी उतनी ही जरूरी है। जिन पौधों का आज रोपण किया गया है, उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर कृषि मंत्री की धर्मपत्नी निर्मला जोशी, मंडल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, आरएस परिहार, सतेंद्र नाथ, सुरेंद्र राणा, भूपेंद्र कठेत, भावना चौधरी, सारिका खत्री सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222